XII
सामान्य हिन्दी

समय - 3 घण्टे पूर्णांक - 100

नोट- सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

खण्ड - क

1. **हिन्दी पद्य-साहित्य के इतिहास पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए-**

क) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है- 1

अ) पृथ्वीराज रासो ब) कामायनी स) साकेत

ख) अष्टछाप के कवि हैं- 1

अ) कबीरदास ब) तुलसीदास स) सूरदास

ग) कबीरदास के गुरू का नाम था- 1

अ) वल्लभाचार्य ब) रामानन्द स) नरहरिदास

घ) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है- 1

अ) उर्वशी ब) भारत-भारती स) गुंजन

ड) कामायनी के रचयिता हैं- 1

अ) जयशंकर प्रसाद ब) रामधारी सिंह दिनकर

स) निराला

2. **हिन्दी गद्य साहित्य के इतिहास पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए-**

क) गोदान के रचनाकार हैं- 1

अ) जयशंकर प्रसाद ब) प्रेमचन्द स) यशपाल

ख) मर्यादा पत्रिका के सम्पादक हैं- 1

अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ब) सरदार पूर्ण सिंह स) सम्पूर्णानन्द

ग) प्रथम तार सप्तक प्रकाशित हुआ- 1

अ) 1952 में ब) 1962 में स) 1943 में

घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचना है- 1

अ) अनामदास का पोथा ब) अँधेर नगरी स) प्रेमसागर

ड) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' रचना की विधा है- 1

अ) कहानी ब) उपन्यास स) आत्मकथा

3. **दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

PDF Hindustanknowledge.com

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग है। पृथिवी हो और मनुष्य न हो तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है। पृथिवी और जन के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथिवी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथिवी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथिवी का पुत्र है।

क) गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
ख) राष्ट्र की कल्पना कब असम्भव है?
ग) पृथ्वी और जन मिलकर क्या बनाते हैं?
घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मगर उदास होना भी बेकार है। अशोक आज भी उसी मौज में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है। बदली है मनुष्य की प्रवृत्ति। यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती और यदि वह न बदलती और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता-मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता। विज्ञान का सर्वनाशी दावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता।

क) गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
ग) लेखक की दृष्टि में उदास होना भी क्यों बेकार है?
घ) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है?

4. **दिए गए पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले
जाके आये न मधुबन से औ न भेजा सँदेसा
मैं रो-रो के प्रिय विरह से बावली हो रही हूँ
जाके मेरा सब दुःख कथा श्याम को तू सुना दे।

क) पद्यांश के शीर्षक व कवि का नाम लिखिए।
ख) राधा की मनोदशा का वर्णन कीजिए।
ग) कृष्ण का सौन्दर्य कैसा है?
घ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

कहते आते थे यही अभी नरदेही
माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही
अब कहें यही सब हाय विरुद्ध विधाता
है पुत्र पुत्र ही, रहे कुमाता-माता।

PDF Hindustanknowledge.com

क) पद्यांश के शीर्षक व कवि का नाम लिखिए।

ख) कैकेयी के अनुसार उनके पाप को देखकर अब लोग क्या कहेंगे ?

ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

घ) 'नरदेही' शब्द का अर्थ लिखिए।

5. **क) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए-**

अ) मैथिलीशरण गुप्त ब) हरिऔध

स) जयशंकर प्रसाद

ख) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए-

अ) वासुदेवशरण अग्रवाल ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी

स) सुन्दर रेड्डी

6. पंचलाइट अथवा बहादुर कहानी का सारांश लिखिए।

7. आलोक-वृत्त खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड - ख

8. **क) दिए गए गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए-**

धन्योऽयं भारतदेश: यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी भव्यभावोद् भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्या वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्मात् रामायण महाभारताद्यैतिहासिक ग्रन्था:, चत्वारो वेदा:, सर्वा उपनिषद, अष्टादश-पुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति।

अथवा

अथैक: शकुनि: सर्वेषां मध्यादाशयगृहणार्थं त्रिकृत्व अश्रावयत्। तत: एक: काक: उत्थाय 'तिष्ठ तावत्' अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेक काले एवं रूप मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति। अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिता: वयं तप्त कटाहे प्रक्षिप्तास्तिला इव तत्र तत्रैव धड्क्ष्याम:।

ख) दिए गए श्लोक में से किसी एक का ससन्दर्भ अनुवाद कीजिए-

सुखार्थिन: कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिन: सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेद सुखम्।

अथवा

उदेति सविता ताम्रस्ताम्र एवास्तमेति च
सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।

PDF HindustanKnowledge.com

9. निम्नलिखित मुहावरों व लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए-

क) दाल में काला होना　　ख) टाँग अड़ाना

ग) नाम बड़े दर्शन छोटे

10. क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प को चुनिये-

i) परमार्थः का सन्धि-विच्छेद है- 1

अ) परम + अर्थः　　ब) परमा + र्थः　　स) पर + मार्थः

ii) तथेति का सन्धि विच्छेद है- 1

अ) तथा + एति　　ब) तथा + ऐति　　स) तथा + इति

iii) मध्वरिः का सन्धि विच्छेद है- 1

अ) मधु + अरिः　　ब) मध्व + रिः　　स) मध + वरिः

ख) निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति व वचन बताइए-

अ) आत्मने　　ब) नाम्नाम्

11. क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थ लिखिए-

अ) कुल-कूल　　ब) कपट-कपाट

ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए-

अंक, अम्बर, उत्तर

ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-

अ) जिसका कहीं भी अन्त न हो　　ब) वह जो न मरे

घ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

अ) वह रविवार को दिल्ली आएगा।　　ब) यह सन्तरे मीठे हैं।

12. क) करूण या वीर रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

ख) उपमा या यमक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

ग) दोहा या चौपाई छन्द का एक उदाहरण दीजिए।

13. किसी विद्यालय के प्रबन्धक को प्रवक्ता पद पर नियुक्ति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए।

अथवा

किसी बैंक के प्रबंधक को 'उच्च शिक्षा' हेतु शिक्षा ऋण प्राप्त करने हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए-

क) कोरोना　　ख) प्रदूषण की समस्या

ग) बेरोजगारी की समस्या　　घ) मेरा प्रिय खेल

PDF Hindustanknowledge.com